भारत सरकार **राज्य सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं 2291**

(वाणिज्य विभाग)

दिनांक 08 अगस्त, 2025 को उत्तर दिये जाने के लिए

भारतीय व्यापार पर ईरान-इजराइल युद्ध का प्रभाव

2291 श्री नीरज डांगी:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत के व्यापार पर ईरान-इज़राइल युद्ध के प्रभाव का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त युद्ध के कारण वर्ष 2024-25 की तुलना में निर्यात में दर्ज प्रतिशत गिरावट का ब्यौरा क्या है;

(ग) भारत द्वारा ईरान और इज़राइल से आयातित/निर्यातित वस्तुओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) घरेलू बाजार पर ईरान-इज़राइल युद्ध के प्रभाव को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): अप्रैल से जून 2024 और 2025 तक ईरान और इज़राइल के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापार का ब्यौरा निम्नवत है:

(मूल्य मिलियन अमेरिकी डॉलर में)

देश	निर्यात/आयात	अप्रैल-जून 2024	अप्रैल-जून 2025	वृद्धि %
ईरान	**निर्यात**	394.63	349.05	-11.55
	आयात	118.43	207.84	75.49
	कुल व्यापार	513.06	556.89	8.54
इज़राइल	**निर्यात**	491.83	487.77	-0.82
	आयात	357.42	400.47	12.04
	कुल व्यापार	849.25	888.24	4.59

(स्रोत: डीजीसीआईएस)

(ग): वर्ष 2024-25 के दौरान ईरान को भारत द्वारा निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएँ चावल-बासमती, तिलहन, ताजे फल, चाय, दालें रही और वर्ष 2024-25 के दौरान ईरान से भारत द्वारा आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएँ ताजे फल, पेट्रोलियम उत्पाद, डाई इंटरमीडिएट्स, थोक खनिज और अयस्क, सीमेंट, क्लिंकर और एस्बेस्टस थीं। वर्ष 2024-25 के दौरान भारत द्वारा इज़राइल को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में मोती, कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर, विद्युत मशीनरी और उपकरण, अनाज, परमाणु रिएक्टर, बॉयलर, मशीनरी एवं यांत्रिक उपकरण तथा कार्बनिक रसायन शामिल हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान इज़राइल से भारत द्वारा आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में विद्युत मशीनरी और उपकरण, मोती, कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर, हथियार एवं गोला-बारूद, उर्वरक और ऑप्टिकल एवं फोटोग्राफिक सिनेमैटोग्राफिक माप शामिल हैं।

(घ): क्षेत्रीय व्यवधानों का आकलन करने और प्रभावी आकस्मिक प्रतिक्रियाओं का समन्वय करने के लिए उद्योग निकायों के साथ समन्वय में व्यापार प्रवाह एवं शिपिंग लेन की रीयल-टाईम निगरानी सक्रिय की गई। खराब होने वाली और उच्च जोखिम वाली वस्तुओं के निर्यातकों को भुगतान संबंधी जोखिमों और बीमा के विकल्पों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

*****